No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-19

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

00501

दिसम्बर, 2017

एम.एच.डी.-19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है ।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) तुमने चुरा लिए
हमारे विकास के रास्ते
शिक्षा पर लगा दिए प्रतिबंध
आखर पर आज रख दी है तुमने
हमारी भागीदारी के लिए
योग्यता की शर्त
पर कब तक फेंकोगे तुम
अपना यह मकड़जाल हम पर ?

(ख) सुनो ! द्रोण सुनो !
एकलव्य के दर्द में सनसनाते हुए घाव को
महसूसता हूँ
एक बारगी दर्द हरियाया है
स्नेह नहीं, गुरु ही याद आया है
जिसे मैंने स्थान दिया
हाय ! अलगनी पर टंगे हैं मेरे तरकश और बाण
तुम्हीं बताओ कितना किया मैंने तुम्हारा सम्मान !

(ग) ठाकुर ने सुना तो खोपड़ी जल उठी उसकी । लगा दिमाग़ में जितनी भी नसें हैं वे आपस में जुड़ गई हैं । वे अब फटीं कि तब । वह गुस्से से बड़बड़ा उठा – "ससुरे चमार भंगियों ने देखी कितना सिर उठा रक्खा है ... ? " दस-बीस साल पहले तो मुँह में ज़बान ही जैसे न थी और अब कहते हैं गाँव में कोई-ठाकुर वाकुर नहीं ... ।

(घ) आदमी जब पैदा होता उसकी जात लिखाई जाती और मरने पर भी ! यही जाति पहले सरकारी रजिस्टर में दर्ज़ होती या लोगों के दिलों में । मुझे उस समय इन सबका विश्लेषण करने की न समझ थी और न उम्र ।

2. समकालीन हिन्दी दलित कविता के वैचारिक आधार पर एक निबंध लिखिए । *10*

3. हिन्दी दलित साहित्य के सौन्दर्य शास्त्र की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए । *10*

4. 'तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती' कविता के कथ्य को विश्लेषित कीजिए । *10*

5. हिन्दी साहित्य में 'जूठन' के महत्त्व पर प्रकाश डालिए । *10*

6. "सुमंगली" कहानी की कथावस्तु का विश्लेषण कीजिए । *10*

7. पाठ्यक्रम में शामिल हिन्दी के दो दलित कहानीकारों की कहानियों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए । *10*